क्या करें

- मूल पत्राचार में शत प्रतिशत हिंदी का प्रयोग करें।
- हिंदी में प्राप्त सभी पत्रादि के उत्तर अनिवार्य रूप से हिंदी में ही दें।
- धारा 3 (3) से संबंधित काग़ज़ात शत प्रतिशत द्विभाषी रूप में जारी करें।
- 'क' एवं 'ख' क्षेत्रों के लिए पास/पीटीओ हिंदी में जारी करें।
- 'क' एवं 'ख' क्षेत्रों को भेजे जाने वाले लिफ़ाफ़ों पर पते हिंदी में लिखें।
- उपस्थिति पंजिका, सेवा पंजिका एवं रजिस्टरों में प्रविष्टियां हिंदी में करें।
- फाइलों पर टिप्पणियां एवं अधिकाधिक डिक्टेशन हिंदी में दें।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम मूल रूप से हिंदी में बनाऐं एवं प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण हिंदी माध्यम से दें।
- विभागीय परीक्षाओं के प्रश्न पत्र द्विभाषी रूप में बनाऐं, जिनमें राजभाषा संबंधी प्रश्न भी दें तथा प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने का विकल्प रखें।
- विभागीय बैठकों की कार्यसूची/कार्यवृत्त हिंदी में जारी करें।
- दौरा कार्यक्रम, यात्रा भत्ता बिल, छुट्टी, अग्रिम, पास/पीटीओ आदि के आवेदन हिंदी में प्रस्तुत करें।
- अधिकारी अधीनस्थ कार्यालयों के निरीक्षण चैक लिस्ट के अनुसार करें।
- अनुशासनात्मक मामलों की कार्यवाही हिंदी में करें।
- नियुक्ति, स्थानांतरण, पदोन्नति, वरीयता सूची आदि कार्य हिंदी में करें।
- कंप्यूटर पर अधिकाधिक कार्य हिंदी में करें।

क्या न करें

- केवल अंग्रेज़ी में मानक और स्थानीय फार्मों का प्रयोग न करें।
- विभागीय परीक्षाओं के प्रश्न केवल अंग्रेज़ी में न बनाऐं।
- 'क' और 'ख' क्षेत्रों को भेजे जाने वाले फैक्स/ई-मेल आदि केवल अंग्रेज़ी में न भेजें।
- धारा 3 (3) से संबंधित कागज़ात केवल अंग्रेज़ी में जारी न करें।
- हिंदी में प्राप्त या हस्ताक्षरित पत्रों के उत्तर अंग्रेज़ी में न दें।
- रबर की मोहर, धातु की सील, नाम पट्ट, सूचना पट्ट आदि केवल अंग्रेज़ी में न बनाऐं।
- 'क' और 'ख' क्षेत्र को भेजे जाने वाले लिफ़ाफ़ों पर पता केवल अंग्रेजी में न लिखें।
- फ़ाइलों/रजिस्टरों के शीर्षक केवल अंग्रेज़ी में न लिखें।
- चार्ट/नक़्शे/आरेख आदि के शीर्ष केवल अंगेज़ी में न लिखें।
- राजभाषा हिंदी में काम करने वाले कर्मचारियों को हतोत्साहित न करें।

राजभाषा दैनन्दिनी

2023

वैगन रिपेयर शॉप, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

इतिहास के पृष्ठों में खोयी झलकारी बाई, एक अविश्वसनीय योद्धा और महिला सैनिक थी। जिसका जन्म 12 नवंबर 1830 को झाँसी के पास भोजला गाँव में हुआ था इनकी प्रसिद्धि दिनांक 4 अप्रैल 1857 को झाँसी के युद्ध में वीरता के साथ लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त होने से है।

एक कदम स्वच्छता की ओर

हिंदी सेवा ही जन सेवा है, जन सेवा ही देश सेवा है

राजभाषा पखवाड़ा-2022 के अवसर पर श्री सुधीर कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेल से अन्तर कारखाना राजभाषा शील्ड प्राप्त करते हुए मुख्य कारखाना प्रबन्धक श्री सुधीर सरवरिया।

मुख्य कारखाना प्रबंधक, श्री सुधीर सरवरिया राजभाषा में उत्कृट कार्य करने वाले कर्मचारी को पुरस्कार वितरण करते हुए।

दैनन्दिनी
2023

संरक्षक

सुधीर सरवरिया

परामर्श :

प्रज्ञेश निबांलकर

सम्पादक :

मनोहर लाल मीना

सह सम्पादक :

राकेश कुमार मीना

राजभाषा अनुभाग, कोटा कारख़ाना द्वारा प्रकाशित

सार्वजनिक अवकाश वर्ष–2023

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	दिनांक	वार	विशेष
1.	गणतंत्र दिवस	26/01/2023	गुरूवार	
2.	महाशिवरात्रि	18/02/2023	शनिवार	
3.	धूलण्डी	08/03/2023	बुधवार	
4.	ईद–उल–फितर (चाँद से)	22/04/2023	शनिवार	
5.	ईद–उल–जुहा (चाँद से)	29/06/2023	गुरूवार	
6.	स्वतन्त्रता दिवस	15/08/2023	मंगलवार	
7.	रक्षाबंधन	31/08/2023	बुधवार	
8.	जन्माष्टमी	07/09/2023	गुरूवार	
9.	महात्मा गॉधी जयन्ती	02/10/2023	सोमवार	
10.	महानवमी	23/10/2023	सोमवार	केवल कार्यालय
11.	विजयादशमी	24/10/2023	मंगलवार	
12.	दीपावली	13/11/2023	सोमवार	
13.	गोवर्धन पूजा	14/11/2023	मंगलवार	
14.	भाई दूज	15/11/2023	बुधवार	
15.	गुरूनानक जयन्ती	27/11/2023	सोमवार	
16.	क्रिसमस दिवस	25/12/2023	सोमवार	

प्रतिबन्धित अवकाश वर्ष–2023

क्र.स.	त्यौहार का नाम	दिनांक	क्र.स.	त्यौहार का नाम	दिनांक
1.	मकर संक्रांती	14/01/2023	18.	मंगला गौरी व्रत / ओनम	29/08/2023
2.	बसंत पंचमी	26/01/2023	19.	रक्षा बंधन	30/08/2023
3.	स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती	15/02/2023	20.	जन्माष्टमी / कालाष्टमी	06/09/2023
4.	महाशिवरात्री	18/02/2023	21.	हरितालिका तृतीया	18/09/2023
5.	होलिका दहन	07/03/2023	22.	गणेश चतुर्थी	19/09/2023
6.	गुडी पाडवा	22/03/2023	23.	ऋषि पंचमी	20/09/2023
7.	राम नवमी	30/03/2023	24.	मिलाद–उल–नबी / ईद–ए–मिलाद	28/09/2023
8.	महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती	11/04/2023	25.	भाद्रपद पोर्णिमा	29/09/2023
9.	वैशाखी	14/04/2023	26.	दशहरा सप्तमी	21/10/2023
10.	बहाग बिहु	15/04/2023	27.	दशहरा महानवमी	23/10/2023
11.	जमात–उल–विदा	21/04/2023	28.	कोजागरी पौर्णिमा	28/10/2023
12.	अक्षय तृतीया	22/04/2023	29.	करवा चौथ / गणेश चतुर्थी व्रत	01/11/2023
13.	श्रमिक दिवस	01/05/2023	30.	धनतेरस	10/11/2023
14.	गुरू रविन्द्रनाथ जन्मदिवस	09/05/2023	31.	सोमवती अमावस्या	13/11/2023
15.	रथ यात्रा	20/06/2023	32.	तुलसी विवाह / देवउठनी एकादशी	23/11/2023
16.	मुर्हरम	29/07/2023	33.	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस	24/11/2023
17.	पारसी नववर्ष	16/08/2023	34.	श्री दत्त जयंती	26/12/2023

निजी विवरण

PERSONAL MEMORANDA

नाम
Name ....

पदनाम
Designation ....

भ.नि.सं.
P.F.No. ....

विभाग
Department ....

जन्म तिथि
Date of Birth ....

नियुक्ति तिथि
DOA ....

ब्लड ग्रुप
Blood Group ....

फोन/Phone
कार्यालय आवास
Office .... Resi. ....

मोबाइल/Mobile .... Email ....

घर का पता
Home address ....

पहचान पत्र सं.
Identity Card No. ....

ड्राइविंग लाइसेंस सं.
Driving Licence No. ....

पेन नं.
PAN No. ....

आधार कार्ड नं.
Adhar Card No. ....

आपात स्थिति में सम्पर्क हेतु
Emergency Contact ....

वर्ष 2023

जनवरी

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

फरवरी

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

मार्च

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

अप्रेल

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

मई

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

जून

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

जुलाई

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

अगस्त

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

सितम्बर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

अक्टूबर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

नवम्बर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

दिसम्बर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

वर्ष 2024

जनवरी

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

फरवरी

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

मार्च

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

अप्रेल

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

मई

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

जून

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

जुलाई

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

अगस्त

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

सितम्बर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

अक्टूबर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

नवम्बर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

नवम्बर

र.	सो.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

प्लानर 2023

जनवरी	फरवरी	मार्च

प्लानर 2023

अप्रेल	मई	जून

प्लानर 2023

जुलाई	अगस्त	सितम्बर

प्लानर 2023

अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर

विभागीय पदोन्नति परीक्षाओं में राजभाषा संबंधी प्रश्न

प्रश्न–1 राजभाषा नियम 1976 के अनुसार भारत को भाषा की दृष्टि से कितने क्षेत्रों में बांटा गया है और उनमें कौन–कौन से राज्य आते हैं?

उत्तर– राजभाषा नियम 1976 के उपनियम–2 के अनुसार राजभाषा प्रयोग की दृष्टि से भारत को तीन क्षेत्रों 'क', 'ख' एवं 'ग' में बांटा गया है।

क क्षेत्र में आने वाले राज्य – 'क' क्षेत्र में हिन्दी भाषी प्रदेशों को रखा गया है जहां सर्वाधिक हिन्दी का प्रयोग किया जाता है– उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह एवं दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)।

ख क्षेत्र में आने वाले राज्य – 'ख' क्षेत्र में उन राज्यों को लिया गया है जहां हिंदी भली–भांति बोली व समझी जाती है तथा जहां की राज्य सरकारों ने केन्द्र सरकार के साथ पत्राचार के लिए राजभाषा हिंदी को स्वीकार किया है जबकि उस राज्य विशेष की अपनी भी अलग राजभाषा है– गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब तथा संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़, दमण द्वीप एवं दादरा और नगर हवेली।

ग क्षेत्र में आने वाले राज्य – 'क' एवं 'ख' क्षेत्र में आने वाले राज्यों को छोड़कर शेष सभी राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश 'ग' क्षेत्र में आते हैं।

प्रश्न–2 राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत कौन–कौन से सरकारी दस्तावेज हिंदी–अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी करना अनिवार्य है?

उत्तर– राजभाषा अधिनियम, 1963 (यथासंशाधित 1967) में 09 धाराएं हैं जिनमें धारा 3(3) अति महत्वपूर्ण है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत निम्नलिखित दस्तावेज हिंदी–अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी करना अनिवार्य है–

• संकल्प •साधारण आदेश •नियम • अधिसूचना •प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन •प्रेस विज्ञप्तियाँ •संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे गए प्रशासनिक व अन्य प्रतिवेदन राजकीय कागज पत्र • संविदा • करार • परमिट • लाईसेंस •निविदा सूचनाएं • निविदा प्रारूप

प्रश्न–3 हिंदी प्रचार–प्रसार के लिए क्या व्यवस्था है?

उत्तर– गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष जारी वार्षिक कार्यक्रम में पत्राचार के लक्ष्य दिए जाते हैं, साथ ही हिंदी प्रयोग की समीक्षा के लिए प्रत्येक कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की प्रति तिमाही में बैठक करने के आदेश हैं। इन बैठकों में हिंदी प्रयोग संबंधी कठिनाईयों को दूर करने के उपाय सुझाए जाते हैं। राजभाषा नीति, नियमों के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय प्रधान की होती है। रेलवे बोर्ड से लेकर स्टेशन स्तर पर कार्यान्वयन समितियां गठित हैं। बड़े स्टेशन एवं कार्यालयों में निःशुल्क हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय संचालित हैं। हिंदी में प्रशिक्षण की व्यवस्था, हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन, कंप्यूटर पर की बोर्ड प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं में हिंदी कार्य की मात्रा के आधार पर प्रोत्साहन पुरस्कार प्रतिवर्ष दिए जाते हैं।

प्रश्न–4 राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा में क्या अन्तर है?

उत्तर– संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343(1) के अनुसार हिंदी को राजभाषा का दर्जा

दिया गया है। राजभाषा के प्रयोग–प्रसार के संबंध में भारत के संविधान में विधि द्वारा मान्य उपबंध हैं। देश में केवल एक भाषा हिंदी को ही राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। सामान्य रूप से राजकाज की भाषा को राजभाषा कहा जाता है। जबकि किसी राष्ट्र अथवा राज्य में बहुसंख्यक लोगों द्वारा आमतौर पर बोली और समझी जाने वाली भाषा राष्ट्रभाषा कहलाती है। अठारहवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 प्रांतीय भाषाएं राज्यों की मान्य भाषाएं हैं।

प्रश्न–5 हिंदी में प्रवीणता प्राप्त एवं कार्य साधक ज्ञान से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– राजभाषा नियम 1976 के नियम 09 के अनुसार हिंदी में प्रवीणता की परिभाषा निम्नानुसार है–

यदि किसी कर्मचारी ने–

- मेट्रिक परीक्षा या उसके समतुल्य या उससे उच्चतर कोई भी परीक्षा हिंदी के माध्यम से उत्तीर्ण कर ली है या,
- स्नातक परीक्षा अथवा स्नातक परीक्षा के समतुल्य या उससे उच्चतर किसी अन्य परीक्षा में हिंदी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में लिया था, या
- यदि वह यह घोषणा करता है कि उसने हिंदी में प्रवीणता प्राप्त कर ली है।

हिंदी में कार्य साधक ज्ञान–

- मैट्रिक या उसकी समतुल्य या उससे उच्चतर परीक्षा हिंदी विषय के साथ उत्तीर्ण कर ली है, या
- केन्द्रीय सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के अन्तर्गत प्राज्ञ परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है
- यदि वह यह घोषणा करता है कि उसने ऐसा ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

प्रश्न–6 अधिसूचित कार्यालय से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– राजभाषा नियम 1976 के अंतर्गत उपनियम 10(2) के अनुसार यदि केन्द्रीय सरकार के किसी कार्यालय में कार्य करने वाले कर्मचारियों में से 80 प्रतिशत या इससे अधिक कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है तो यह समझा जायेगा कि उस कार्यालय के कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है। इस स्थिति में राजभाषा नियम 10(4) के अनुसार उन कार्यालयों के नाम राजपत्र (गजट) में अधिसूचित किये जायेंगे और उन्हें पत्र हिंदी में भेजे जायेंगे।

प्रश्न–7 भारतीय संविधान में कितनी भाषाओं को राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई है?

उत्तर– संविधान की आठवीं अनुसूची में अब तक निम्नलिखित 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है।

1. असमिया	2. उड़िया	3. उर्दू	4. कन्नड़
5. कश्मीरी	6. गुजराती	7. तमिल	8. तेलुगु
9. पंजाबी	10. बंगला	11. मराठी	12. मलयालम
13.संस्कृत	14. सिंधी	15. हिंदी	16. मणिपुरी
17.नेपाली	18. कोंकड़ी	19. मैथिली	20. वोडो
21.संथाली	22. डोंगरी		

प्रश्न–8 हिंदी में कार्य करने के लिए लागू विभिन्न पुरस्कार एवं प्रोत्साहन योजनाएं कौन–कौन सी हैं?

उत्तर– सरकारी काम–काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए गृह मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड की निम्नलिखित पुरस्कार योजनाएं लागू हैं–

(1) **हिंदी में मूल रूप से सर्वाधिक कार्य करने हेतु पुरस्कार योजना–**

गृह मंत्रालय की इस योजना में वर्ष भर के दौरान 'क' और 'ख' क्षेत्र के कर्मचारी हिंदी में कम से कम 20,000 शब्द तथा 'ग' क्षेत्र के कर्मचारी कम से कम 10,000 शब्द हिंदी में लिखते हैं तो उन्हें निम्न पुरस्कार दिये जाते हैं–

प्रति यूनिट – प्रथम पुरस्कार (2) रु. 5000/–, द्वितीय पुरस्कार (3) रू. 3000/–, तृतीय पुरस्कार (5) रु. 2000/–

(2) **रेलमंत्री हिंदी निबंध प्रतियोगिता :–**

यह प्रतियोगिता रेलवे बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। इसका विषय रेल संचालन और प्रबंधन से संबंधित होता है। यह निबंध 3000 शब्दों में होना चाहिए। राजपत्रित वर्ग और अराजपत्रित वर्ग प्रत्येक के लिए पुरस्कार राशि निम्नानुसार है–

प्रथम पुरस्कार–रु.6000/–द्वितीय पुरस्कार–रु.4000/–

(3) **हिंदी में कथा/उपन्यास एवं काव्य लेखन के लिए पुरस्कार योजना–**

कथा संग्रह एवं उपन्यास लेखन के लिए प्रेमचन्द पुरस्कार और काव्य संग्रह/गजल संग्रह के लिए मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार दिया जाता है। उक्त दोनों योजनाओं में प्रथम पुरस्कार रु. 20,000/–, द्वितीय रु. 10,000/– और तृतीय 7,000/–रु. है।

(4) **हिंदी में तकनीकी पुस्तक लेखन हेतु लाल बहादुर शास्त्री पुरस्कार–**

इस योजना में रेलों से इतर व्यक्ति/लेखक भी भाग ले सकते हैं। पुस्तक मौलिक होनी चाहिए। पुरस्कार राशि निम्नानुसार है–

प्रथम पुरस्कार रु. 20,000/–, द्वितीय रु. 10,000/– और तृतीय 7,000/–रु. है।

(5) **हिंदी डिक्टेशन पुरस्कार योजना–**

इस योजना के अंतर्गत विभागवार हिंदी भाषा और अहिंदी भाषी अधिकारियों को हिंदी में डिक्टेशन देने पर रु. 5000/– का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। क और ख क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों के लिए शब्द सीमा 20,000 शब्द प्रति कैलेण्डर वर्ष तथा ग क्षेत्र के लिए 10,000 शब्द प्रति कैलेण्डर वर्ष है।

(6) **राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना–**

	हिंदी भाषी	**हिंदीतर भाषी**
प्रथम	रु. 20000/–	रु. 25000/–
द्वितीय	रु. 18000/–	रु. 22000/–
तृतीय	रु. 15000/–	रु. 20000/–

(7) **रेल यात्रा वृतांत पुरस्कार योजना–**

प्रथम	रु. 10000/–
द्वितीय	रु. 8000/–
तृतीय	रु. 6000/–

सामान्यत: उपयोग की जाने वाली टिप्पणियाँ–अंग्रेजी/हिन्दी

Accepted	स्वीकार करना
Acknowledge/Receipt	पावती दें/ प्राप्ति सूचना दें
Action as "A" above	ऊपर 'क' के अनुसार कार्यवाही की जाये
Action at once please	फौरन कार्यवाही करें।
Action may be taken accordingly	तद्नुसार कार्यवाही की जाये
Action may be taken as proposed	यथाप्रस्तावित/प्रस्ताव के अनुसार कार्यवाही की जाये।
Action Under DAR may be taken against defaulters.	चूक करने वालों के विरूद्ध अनुशासन और अपील नियमों के अंतर्गत कार्यवाही
Address all concerned	सर्वसंबंधित को लिखा जाये
All concerned should note carefully	सभी संबंधित व्यक्ति इसे ध्यान से नोट कर लें।
Allowed	अनुमति देना
Approved	अनुमोदित
Approved as proposed	यथाप्रस्ताव अनुमोदित
Ask for clarification	स्पष्टीकरण मांगें
Await further advice	आगे और सूचना की प्रतीक्षा करें
Assess the amount of demurrage	विलम्ब शुल्क की रकम निर्धारित की जाये।
Call for the inspection report	निरीक्षण रिपोर्ट मांगे
Chase the case	मामले की प्रगति पर निगाह रखें
Check	जाँच करें
Check and give remarks	जाँच करें और रिमार्क दें
cancel	रद्द करें।
Carry out orders	आदेश कार्यान्वित करें
case Please	केस प्रस्तुत करें
Clarify Position	स्थिति स्पष्ट करें।
Expedite action	कार्यवाही शीघ्र करें
Explain delay	देरी का कारण स्पष्ट करें
Ex-post-facto sanction accorded	कार्योत्तर मंजूरी दी जाती है।
Fix up responsibility	जवाबदेही ठहरायी जाए
Frame charges against defaulters	चूककर्ता के विरूद्ध आरोप तैयार करें।
For perusal	अवलोकनार्थ
Get clarification of the staff concerned	संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाये।
How the matter stands	मामला किस स्थिति में है
If it is otherwise in order, the proposal may be accepted	यदि प्रस्ताव अन्यथा नियम संगत तो उसे मान लिया जाये।

Inform accordingly	तदनुसार सूचित करें/ तदनुसार सूचित किया जाये।
Issue as corrected	यथा संशोधित भेज दें/ संशोधित रूप में भेज दीजिए
Must be rigidly adhered	कड़ाई के साथ पालन किया जाये
Name may be enlisted in the list	सूची में नाम दर्ज कर दिया जाये
Necessary action may be taken	आवश्यक कार्यवाही की जाये
No further action is necessary	आगे कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
Out today	आज ही भेजिए
Order may be issued	आदेश जारी कर दिया जाये
Orders stand	आदेश ज्यों के त्यों रहे
Obtain formal Sanction	औपचारिक मंजूरी लें
Pend reply	उत्तर रोके रखें
Pend for the present	अभी निर्णय रोके रखा जाये
Please chek up	कृपया जाँच करें।
Please discuss	कृपया मिलें/चर्चा करें/विचार विमर्श करें।
Please advise accordingly	तदनुसार सूचित करें
Please put the draft reply	उत्तर का मसौदा प्रस्तुत करें।
Put up draft-reply accordingly	तदनुसार उत्तर का मसौदा पेश किया जाये।
Provisional	अनन्तिम
Put up a summary	सारांश प्रस्तुत करें।
Recommended for Sanction	मंजूरी के लिए सिफारिश की जाती है।
Regretted	अस्वीकृत/नामंजूर
Sancntioned as a special case	विशेष मामले के रूप में मंजूर।
Should be given top priority	परम अग्रता दी जाये।
Status quo be maintained	यथा पूर्व स्थिति जारी रखी जाये।
Suitable reply may be given	समुचित उत्तर भेज दिया जाये।
Take such steps as may be necessary	ऐसे उपाय किये जायें जो आवश्यक हों।
There is no reason to modify the orders already passed	जो आदेश पहले दिया जा चुका है उसमें परिवर्तन/आशोधन करने का कोई कारण नहीं है।
Under Consideration	विचाराधीन
Verified and found correct.	जाँच की और सही पाया।
We agree as a very special case, this should not however be quoted as precedent.	इसे बहुत विशेष मामला मानकर हम सहमति देते हैं, परन्तु इसका आगे उदाहरण के रूप में उल्लेख न किया जाये।

गोपनीय रिपोर्ट शब्दावली

Academic	शैक्षणिक/अकादमिक
Accepting	स्वीकृति अधिकारी
Accomplished	सिद्ध/प्रवीण/कुशल
Achievements	उपलब्धियां
Active	सक्रिय
Adamant attitudes	अड़ियल रवैया
Additional responsibility	अतिरिक्त दायित्व
Admonish	भर्त्सना करना
Adventurous	साहसी
Adverse remarks	प्रतिकूल टिप्पणी
Alert	सतर्क,चौकस
All rounder	सर्वकार्यकुशल
Amenable	आज्ञाकारी
Appraisee	स्वमूल्यॉंकिती
Appreciable	सराहनीय
Appropriate	उपयुक्त
Aptitude	रूझान,अभिरूचि
Average	औसत
Averse	विमुख/अनिच्छुक
Behaviour	व्यवहार
Better	बेहतर
Beyond doubt	संदेह से परे/असंदिग्ध
Bilingual	द्विभाषी/द्विभाषिक
Borne in mind	ध्यान में आना
Brilliant	प्रतिभाशाली
Capability	सक्षमता
Capacity	क्षमता
Careful	सतर्क/सावधान
Character	चरित्र
Competent	सक्षम/समर्थ
Decision making ability	निर्णय लेने की योग्यता
Dependable	विश्वसनीय
Devoted well in his work	अपने काम में दत्तचित्त
Devotion	निष्ठा/समर्पण
Devotion to duty	कर्तव्य परायणता
Difference of opinion	मतभेद/मतभिन्नता
Diligent	मेहनती/परिश्रमी
Disposal	निपटारा
Doubtful	संदिग्ध
Due course promotion in	पदोन्नति यथासमय
Dutiful	कर्तव्यनिष्ठ
Efficient worker	कार्यकुशल कर्मचारी
Eminently suitable	विशिष्ट तथा उपयुक्त
Energetic	स्फूर्तिवान, कर्मठ
Enthusiastic	उत्साही
Exemplary	अनुकरणीय,आदर्शस्वरूप
Excellence	उत्कृष्टता
Excellent	श्रेष्ठ, उत्कृष्ट
Exceptional	असाधारण
Executive ability	कार्यसंपादन योग्यता
Exemplary punishment	शिक्षात्मक दण्ड
Expeditiously	शीघ्रता से
Faithful	विश्वसनीय
Follow up action	अनुवर्ती कार्यवाही
Foresight	दूरदर्शिता
Genius	प्रतिभाशाली
Handle	संभालना
Hard working	परिश्रमी
Impartial	निष्पक्ष
Impracticable	अव्यवहारिक
Indiscreet	अविवेकी/अदूरदर्शी
Indispensable	अपरिहार्य
Industrious	परिश्रमी
Initiative	पहल शक्ति/प्रेरणा
Integrity	सत्यनिष्ठा
Integrity doubtful	सत्यनिष्ठा संदेहास्पद
Intelligent	बुद्धिमान/होशियार
Inter personal	परस्पर
Keen	जिज्ञासु
Knowledge of rule is good	नियमों का अच्छा ज्ञान है
Late comer	देर से आने वाला
Loyal	वफादार, विश्वस्त
Luminary	प्रकांड विद्वान
Maintains good control	अच्छा नियंत्रण रखते हैं
Maintains files properly	फाइलों को कायदे से रखते हैं।

गोपनीय रिपोर्ट शब्दावली

Maturity reflects in his performance	उनके कार्यों में परिपक्वता दिखती है।	Refresher course	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
Mediocre	मध्यम/साधारण	Reliable	विश्वसनीय
Mental alertness	सजगता	Remedies	उपाय
Methodical	रीति परायण	Reporting officer	रिपोर्ट देने वाला अधिकारी
Motivation	उत्प्रेरणा	Reprimand	भर्त्सना
Multifarious	बहुविधि	Reputation	ख्याति/प्रतिष्ठा
Need guidance	मार्गदर्शन की आवश्यकता है	Resourcefulness	उपाय कुशलता/उपायकौशल
Need training	प्रशिक्षण की आवश्यकता है	Responsibility	उत्तरदायित्व/जिम्मेदारी
Notable work	उल्लेखनीय कार्य	Reviewing officers	पुनरीक्षण अधिकारी
Not applicable	लागू नहीं	Safety consciousness	संरक्षा संबंधी जागरूकता
Not yet fit for Promotion	अभी पदोन्नति के योग्य नहीं	Satisfactory	संतोषजनक/संतोषप्रद
		Seasoned	मंजा हुआ/परिपक्व
		Secret	गुप्त
Obedient	आज्ञाकारी	Selection	प्रवरण पद
Objectives	उद्देश्य	Senior scale	वरिष्ठ वेतनमान
Out put	निष्पादन	Short comings	कमियां
Out standling	उत्कृष्ट	Skills	कौशल/कुशलता
Over all	समग्र	Smart	फुर्तीला/चुस्त
Patient	सहनशील	Specific contribution	विशिष्ट योगदान
Performance	कार्यनिष्पादन	Still there is room for improvement	अब भी सुधार की गुंजाइश है
Personal data	व्यक्तिगत विवरण		
Personality	व्यक्तित्व	Straight forward	खरा/स्पष्टवादी
Pleasant manners	शिष्ट व्यवहार	Submissive	आज्ञानुवर्ती/विनम्र
Poor work	घटिया कार्य	Supervision slack	पर्यवेक्षक शिथिल
Potential	संभावनाएं	Tactful	व्यवहार कुशल/चतुर
Prevalent	प्रचलित	Team work	समूह कार्य
Professional	व्यावसायिक	Team spirit	समूह भावना
Prompt	तत्पर/तुरंत कार्य करने वाला	Trustworthy	विश्वास पात्र
Punctual	समय का पाबंद	Very good	बहुत अच्छा
Quality	गुणवत्ता	Vigilance	सतर्कता
Quantitative	परिमाण संबंधी	Well behaved	सद्व्यवहारी/शिष्ट
Quick	फुर्तीला, त्वरित	Well disciplined	अनुशासित
Quiet	शांत, नम्र	Well mannered	सुशील/शिष्ट/शालीन
Reasonable	उचित/ठीक ठाक	Work with zeal	उत्साह से काम करते हैं

आधुनिक भारत की संस्कृति एक विकसित शतदल कमल के समान है जिसकी एक-एक पंखुड़ी एक-एक प्रांतीय भाषा, उसका साहित्य और संस्कृति हैं। किसी एक को मिटा देने से उसकी शोभा ही नष्ट हो जाएगी। हम चाहते हैं कि भारत की सारी प्रांतीय बोलियां जिनमें सुंदर साहित्य की सृष्टि हुई है, अपने-अपने घर में (प्रांत में) रानी बन कर रहें और आधुनिक भाषाओं के हार की मध्यमणि हिंदी भारत-भारती होकर विराजती रहे।

- रवीन्द्रनाथ टैगोर

रेल कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान किए जाने वाले राजभाषा निरीक्षण के लिए चैक लिस्ट
Check list for Rajbhasha Inspection during inspection of Railway Offices

निरीक्षण अधिकारी का नाम/Name of Inspecting Office

पदनाम/**Designation**

निरीक्षण की तारीख/**Date of Inspection**

निरीक्षित कार्यालय का नाम और पता/**Name of the office & address inspected**

1. द्विभाषी नाम/पदनाम बैज
   Bilingual name/designation badges
2. द्विभाषी नक्शे/आरेख आदि
   Bilingual maps/drawings etc
3. रजिस्टरों/डायरियों में हिन्दी में प्रविष्टियां
   Entries in Hindi in registers/diaries
4. नाम बोर्ड/सूचना बोर्ड द्विभाषी
   Bilingual name boards/information boards
5. संविदा और करार हिन्दी-अंग्रेजी में जारी करना
   Issuing contracts and agreements both in Hindi & in English
6. क/ख क्षेत्रों के साथ हिन्दी में पत्राचार
   Correspondence in Hindi with A&B regions
7. द्विभाषी रबड़ की मोहरें/सीलें
   Bilingual rubber stamps/seals
8. कार्यालय आदेश/परिपत्र/ आरक्षण चार्ट द्विभाषिक रूप में
   Office orders/circulars/reservation charts issued in bilingual form
9. द्विभाषी कम्प्यूटर की व्यवस्था
   Provision of bilingual computers
10. हिन्दी पुस्तकालय में वाचनालय की अलग से व्यवस्था
    Facility of reading room in Hindi libraries
11. विभागीय बैठकों की कार्यसूची/कार्यवृत्त द्विभाषिक रूप में
    Agenda/Minutes of departmental meetings in bilingual form
12. अन्य कोई मद
    Any other items

निरीक्षण करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर
Signature of the Inspecting Officer

कारख़ाने में उच्च अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी निरीक्षण करते हुए।

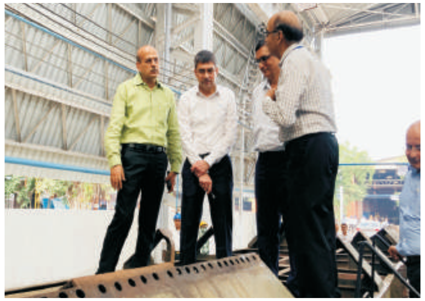
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी बीटीपीएन वैगन के सेन्टर सिल रिपेयर का निरीक्षण करते हुए।

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी के साथ महाप्रबंधक पमरे श्री सुधीर कुमार गुप्ता निरीक्षण बैठक के दौरान।

अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी निरीक्षण करते हुए।

प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री आर.एस. सक्सेना साथ में मु. का. इंजी. श्री नीरज कुमार हैरिटेज पार्क का निरीक्षण करते हुए।

प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री हामीद अख़्तर निरीक्षण करते हुए।

कारख़ाने में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां

कोटा कारखाना में वरिष्ठ कर्मचारियों द्वारा प्रथम एम–2 रैक को रवाना किया गया।

विश्व विरासत दिवस के अवसर पर कोटा कारखाना में जागरूकता रैली का आयोजन।

मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री सुधीर सरवरिया बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती समारोह के दौरान संबोधित करते हुए।

मुख्य कारखाना इंजीनियर श्री नीरज कुमार द्वारा कोटा कारखाना में अन्तर शॉप क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच का शुभारंभ।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण के उपरान्त अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री सुधीर सरवरिया।

महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्ष श्रीमती सिम्पल सरवरिया गणतंत्र दिवस के दौरान प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

1. धन को बर्बाद करने पर आप केवल निर्धन होते हैं लेकिन समय को बर्बाद करने पर आप जीवन का एक हिस्सा नष्ट कर देते हैं।

— एपिक्यूरस

2. आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और आत्मसंयम केवल यही तीन जीवन को परमशक्ति सम्पन्न बना देते हैं।

—टेनिसन

3. विद्या और अक़्लमंदी को एक मानने की भूल न करें। पहली आपको आजीविका कमाने में मदद करती है वहीं दूसरी जीवन निर्माण में।

—सेंड्रा केरी

4. क्रोध को पाले रखना गर्म कोयले को किसी और पर फेंकने की नीयत से पकड़े रहने के समान है। इसमें आप ही जलते हैं।

—गौतम बुद्ध

5. जो भी करें उस पर पूरे मनोयोग से ध्यान केन्द्रित करें। सूर्य की किरणों से तब तक आग नहीं जलती जब तक उन्हें केन्द्रित नहीं किया जाता।

—अलेक्जेंडर ग्राहम बेल

1. जिस त्याग से अभिमान उत्पन्न होता है, वह त्याग नहीं। त्याग से शांति मिलनी चाहिए। अंतत: अभिमान का त्याग ही सच्चा त्याग है।

—विनोबा भावे

2. अपनी शक्ति में विश्वास रखना शक्तिवान होना है। उनसे कमज़ोर कोई नहीं जिन्हें स्वयं में अथवा अपने सामर्थ्य में भरोसा नहीं।

—स्वामी दयानंद सरस्वती

3. सफल आदमी दूसरों की मदद के मौके खोजता है। विफल आदमी पूछता है—
''इसमें मुझे क्या मिलेगा।''

—ब्रायन ट्रेसी

4. अवसर वादी कहते हैं, हमसे जो थोड़ा बहुत बन पाएगा, हम करेंगे। ज़िम्मेदार नागरिक कहते हैं, देश को जो भी चाहिए, वो हम करेंगे।

—शिव खेड़ा

5. अपने लक्ष्य को न भूलो, अन्यथा जो कुछ मिलेगा, उसी में संतोष करने लग जाओगे।

—जार्ज बर्नार्ड शॉ

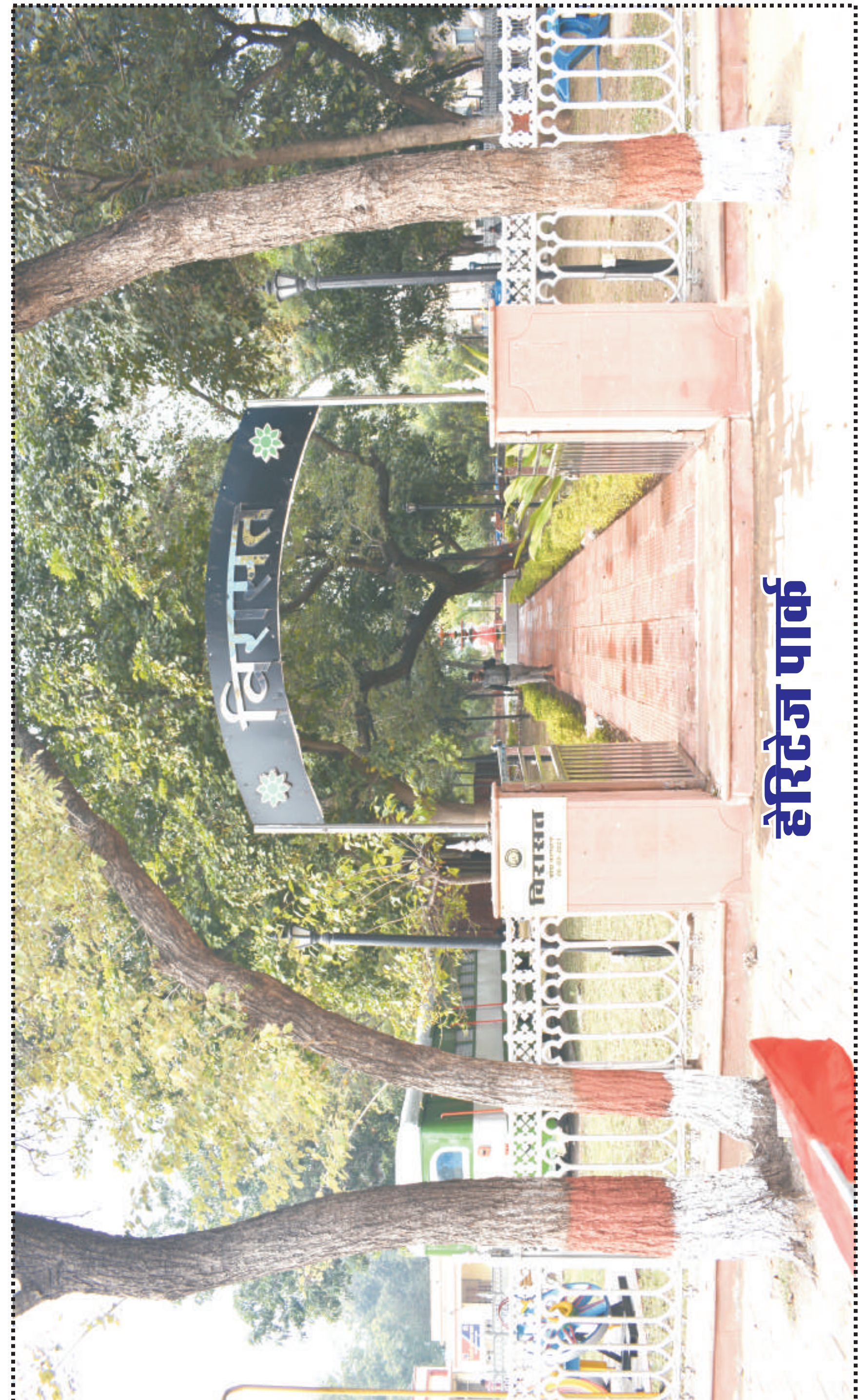

1. हर वर्ष एक बुरी आदत को मूल से खोद कर फेंका जाए तो कुछ ही वर्षों में बुरे से बुरा व्यक्ति भी भला बन सकता है।

—सुकरात

2. पाप पहले मज़ेदार लगता है, फिर वह आसान हो जाता है, फिर वह स्वभाव बन जाता है। फिर आदमी गुस्ताख़ बन जाता है और कभी न पछताने का निश्चय कर लेता है और फिर वह तबाह हो जाता है।

—लीटन

3. सफलता का कोई रहस्य नहीं है। वह केवल अत्यधिक परिश्रम चाहती है।

—हेनरी

4. सत्य अकाट्य है, द्वेष इस पर हमला कर सकता है, अज्ञानता इसका उपहास उड़ा सकती है, लेकिन अंत में सत्य की रहता है।

—विंस्टन चर्चिल

5. जो आदमी प्रशंसा के भूखे होते हैं वे साबित करते हैं कि उनमें योग्यता नहीं है। जिसमें योग्यता होती है उसका ध्यान उधर नहीं जाता।

—महात्मा गाँधी

1. अगर हिंदुस्तान को सचमुच एक राष्ट्र बनाना है तो चाहे कोई माने या न माने राष्ट्र भाषा तो हिंदी ही बन सकती है।

   –महात्मा गांधी

2. राष्ट्र के एकीकरण के लिए सर्व सामान्य भाषा से अधिक कोई तत्व नहीं है। मेरे विचार में हिंदी ही ऐसी भाषा है।

   –लोकमान्य तिलक

3. निष्क्रियता से संदेह व डर पैदा होता है। क्रिया शीलता से विश्वास व साहस। डर पर विजय पाना है तो बाहर निकलें और व्यस्त रहें।

   –डेल कार्नेग

4. अभिवादन से प्रेम और सद्भावना का निर्माण होता है।

   –हज़रत मुहम्मद

5. जीवन को सफल बनाने के लिए शिक्षा की ज़रूरत है, डिग्री की नहीं। हमारी डिग्री तो है सेवाभाव, नम्रता और सरलता।

   –मुंशी प्रेमचंद

1. रेल की भाषा मेल की भाषा,
देश की भाषा हिंदी भाषा।

2. राष्ट्र भाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।

–महात्मा गांधी

3. हिंदी एक जानदार भाषा है, यह जितनी बढ़ेगी देश का उतना ही लाभ होगा।

–पं. जवाहर लाल नेहरू

4. चरित्र दो बातों से लक्षित होता है, एक आपकी विचार धारा और दूसरा आपके समय बिताने के ढंग से।

–हर्बर्ट

5. तीन तरीकों से हम ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। पहला विचार करके, दूसरा अनुकरण करके और तीसरा अनुभव से।

–कन्फ्यूशियस

6. निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय के सूल।।

– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

1. अधिकारों का सच्चा स्रोत कर्तव्य हैं। अगर हम सब अपने कर्तव्यों को पूरा करें तो अधिकारों को ढूंढने कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा।

   —महात्मा गांधी

2. विपत्ति में जिस हृदय में सद्ज्ञान उत्पन्न न हो वह उस सूखे वृक्ष की तरह है जो पानी पाकर भी पनपता नहीं, सड़ जाता है।

   —प्रेमचंद

3. गलती कर देना मामूली बात है, पर उसे स्वीकार कर लेना बड़ी बात है।

   —मुनि गणेश वर्णी

4. हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मातृ भाषाओं रूपी फूलों को पिरो कर भारत माता के लिए सुंदर हार का सृजन करेगा।

   —डॉ. ज़किर हुसैन

5. जब तक आपके पास राष्ट्रभाषा नहीं,
   आपका कोई राष्ट्र भी नहीं।

   —मुंशी प्रेमचंद

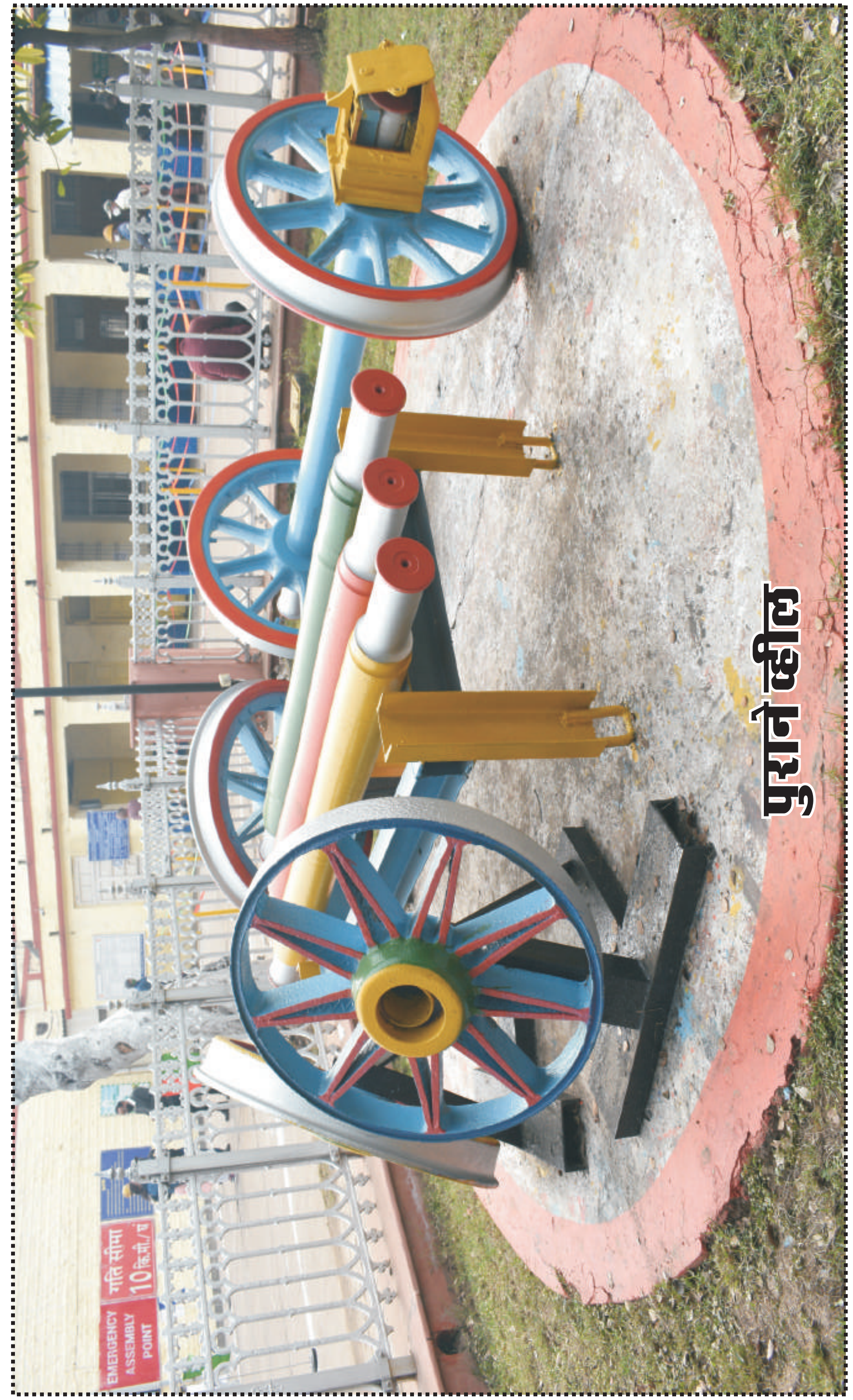

1. जो एक बार विश्वासघात कर चुका है उसका फिर विश्वास न करो।

—शेक्सपियर

2. धूर्त मनुष्य अध्ययन का तिरस्कार करते हैं। सरल मनुष्य उसकी प्रशंसा करते हैं और ज्ञानी पुरूष उसका उपयोग करते हैं।

—बेकन

3. ग़लती न करना मनुष्य के वश की बात नहीं, लेकिन अपनी ग़लतियों से समझदार लोग भविष्य के लिए बुद्धिमता अवश्य सीख लेते हैं।

—प्लूटॉर्क

4. जितना अधिक आप अपने बारे में बोलेंगे उतना ही अधिक आपके मुंह से झूठ निकलने की आशंका है।

—जिमर मैन

5. फूलों की सुगंध केवल हवा के प्रवाह की दिशा में ही फैलती है, लेकिन मनुष्य की अच्छाईयां सभी दिशाओं में फैलती हैं।

—चाणक्य

बीटीपीएन टैंक

1. सिर्फ़ तर्क करने वाला दिमाग़ एक ऐसा चाकू है जिसमें मूठ नहीं है। यह इसका उपयोग करने वाले हाथ को ज़ख़्मी कर देता है।

   —रवीन्द्रनाथ ठाकुर

2. जीवन भर निठल्ले बैठे रहने की तुलना में गलतियां करते हुए जीवन बिताना ज़्यादा सम्मानजनक है।

   —जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

3. सफलता अंतिम नहीं होती, असफलता जान लेवा नहीं होती। महत्व तो चलते रहने के साहस का है।

   —बिस्टन चर्चिल

4. बाधाएं वे डराने वाली चीज़ें हैं जो तब दिखाई देती हैं, जब हम लक्ष्य से दृष्टि हटा लेते हैं।

   —हेनरी फॉर्ड

5. आत्मविश्वास के साथ आप आसमान भी छू सकते हैं और इसके बिना मामूली सी उपलब्धियां भी आपकी पकड़ से परे रहेंगी।

   —जिम लोहार

1. परिस्थितियां किसी व्यक्ति को मज़बूत या कठोर नहीं बनातीं, किन्तु यह दिखाती हैं कि वह व्यक्ति है क्या?

— टॉमस ए केंप

2. सुख और आनंद ऐसे इत्र हैं जिन्हें जितना अधिक दूसरों पर छिड़केंगे उतनी ही सुगंध आपके भीतर समाएगी।

—इमर्सन

3. आत्मोन्नति के लिए अधिक से अधिक समय लगाएं तो दूसरों की आलोचना करने का समय ही नहीं मिलेगा।

—अज्ञात

4. उठो, जागो और तब तक रूको नहीं, जब तक मंज़िल प्राप्त न हो जाय।

—स्वामी विवेकानंद

5. भूल करना मनुष्य का स्वभाव है। की हुई भूल को स्वीकार कर लेना एवं वैसी भूल न करने का प्रयास करना वीर और साहसी होने का प्रतीक है।

—महात्मा गाँधी

1. न रगड़ के बिना रत्न पर पॉलिश होती है और न कठिनाइयों के बिना मानव में पूर्णता आती है।

– लाओत्से

2. जीवन में निराशा से बड़ा
कोई अभिशाप नहीं।

–स्वामी विवेकानंद

3. हिंदी देश के बड़े हिस्से में बोली जाती है। हमें इस भाषा को राष्ट्र भाषा के रूप में स्वीकार करना ही चाहिए।

–रवीन्द्र नाथ ठाकुर

4. हिंदी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

–स्वामी दयानंद

5. देश के सबसे बड़े भू–भाग में बोली जाने वाली हिंदी राष्ट्र भाषा की अधिकारिणी है।

–सुभाष चन्द्र बोस

बॉक्स शॉप